

# कलीसिया में चोर



जो क्रू

Copyright © 2022  
by Lu Ann Crews

All rights reserved.  
Printed in India.

Published by:  
**Amazing Facts India**  
Post Box No 51  
Banjara Hills, Hyderabad  
Telangana, 500034

[www.AmazingFactsIndia.org](http://www.AmazingFactsIndia.org)

# कलीसिया में चोर

---

डग बैचेलर द्वारा।

विषयसूची:

## अध्याय एक:

# एक पाप जिसे कोई स्वीकार नहीं करता

**क्या** आप उस पाप के बारे में जानते हैं जिसे कोई स्वीकार नहीं करता? यह एक ऐसा पाप है जिसका उल्लेख करने से हम डरते हैं। हमें इसका उल्लेख करने से डरना चाहिए, क्योंकि वैसे भी कोई भी कभी भी अपने बारे में इसका उल्लेख नहीं करता है। अब, लोगों ने मेरे सामने स्वीकार किया है कि उन्होंने कुछ भयानक, घोर पाप किए हैं। मैं उन लोगों को याद कर सकता हूँ जिन्होंने शराबी होने की बात स्वीकार की, जिन्होंने चोरी करना, दूसरे का घर तोड़ना, हत्या करना, परमेश्वर का नाम व्यर्थ लेना, पति या पत्नी के साथ बेकार समय बर्बाद करना, सब्त को तोड़ना और बाकी सभी को कबूल किया-लेकिन जहाँ तक मुझे याद है, मेरी पूरी सेवकाई के दौरान किसी ने भी मेरे सामने कभी यह स्वीकार नहीं किया कि वह उस पाप का दोषी था जिसके बारे में हम अभी बात करने जा रहे हैं। और मुझे लगता है कि इसका कारण यह है कि यह मूल पाप है-आधारभूत पाप, बुनियादी पाप।

प्रभु यीशु ने स्वयं लूका 12:15 में हमें इस पाप के बारे में गंभीरता से चेतावनी दी: “और उस ने उन से कहा, चौकस रहो, और हर प्रकार के लोभ से अपने आप को बचाए रखो: क्योंकि किसी का जीवन उस की संपत्ति की बहुतायत से नहीं होता।” आप देखिए, जिस पाप को कोई स्वीकार नहीं करता वह लोभ है।

लोग बस इतना ही नहीं कहते: “ठीक है, मैं एक लोभी व्यक्ति हूँ। मैं उस अतिरिक्त डॉलर को हथियाना चाहता हूँ। मैं बाहर तक पहुंचना चाहता हूँ और जो कुछ भी मैं पकड़ सकता हूँ उसे पकड़ना और खींचना चाहता हूँ।” और लोग आपके पास कभी नहीं आते और कहते हैं: “मैं कुछ स्वीकार करना चाहता हूँ। लालच मेरी समस्या है। मैं सिर्फ एक लालची व्यक्ति हूँ।” इसने मुझे हमेशा थोड़ा सा चकित किया है। लोग उनमें से कुछ अति घटिया और घोर पापों को स्वीकार करने से बिल्कुल भी नहीं हिचकिचाते हैं लेकिन जब लोभ जैसे शुद्ध और साफ पापों की बात आती है, तो मुझे लगता है कि यह बहुत ही अपमानजनक है। निःसंदेह, यह एक ऐसा पाप है जिसकी हमारे भौतिकवादी युग ने भी बहुत अधिक निंदा नहीं की है। कलीसिया के द्वारा भी इसकी बहुत निंदा नहीं की जाती है। आप किसी भी अन्य आज्ञा का उल्लंघन करते हैं और तुरंत मुसीबत में पड़ जाते हैं, लेकिन लालच-ठीक है, कोई नहीं जानता कि आप लोभ कर रहे हैं या नहीं। परन्तु जो खोजा जा रहा है वह अन्त में मिल गया है-यह यहोवा की आज्ञा है, और यह वह आज्ञा है जिसे अधिकांश लोग नजरअंदाज करते हैं; फिर भी परमेश्वर की दृष्टि में यह सभी पापों में सबसे घोर पाप है क्योंकि यह हर दूसरे पाप की जड़ है। याद रखें कि प्रेरित पौलुस ने रोमियों 7:7 में क्या कहा था। उसने कहा, “मैं पाप को नहीं जानता था ... जब तक कि व्यवस्था ने न कहा था, कि तू लालच न करना।” जिस बिंदु को वह स्पष्ट रूप से बताने की कोशिश कर रहा था वह यह था: हर एक पाप की जड़ें लोभ के पाप में होती हैं, और इसलिए परमेश्वर ने सोचा कि इसे दस आज्ञाओं में शामिल करना

काफी महत्वपूर्ण है। यह वह पाप है जो पहले आता है और हर दूसरे पाप की ओर, जिसे आप कर सकते हैं, ले जाता है।

## अध्याय दो: परमेश्वर ने मनुष्य को “मूर्ख” कहा

**अ**ब मैं आपको समय से पहले चेतावनी भी दे सकता हूँ कि लालच से छुटकारा पाने का कोई संभावित तरीका नहीं है सिवाय प्रभु यीशु मसीह के द्वारा-बिल्कुल कोई रास्ता नहीं। इस पाप को दूर करने के लिए स्वर्ग से विशेष शक्ति की आवश्यकता होती है। परन्तु अब आइए हम एक क्षण के लिए लूका 12 पर वापस जाएँ। यह कहने के बाद कि “चौकस रहो, और हर प्रकार के लोभ से अपने आप को बचाए रखो”, यीशु ने इस बात को थोड़ा और स्पष्ट करने के लिए एक कहानी सुनाई। पद 16 से आरम्भ करके मैं इसे आपके लिए पढ़ता हूँ: “उस ने उन से एक दृष्टान्त कहा, कि किसी धनवान की भूमि में बड़ी उपज हुई। तब वह अपने मन में विचार करने लगा, कि मैं क्या करूँ, क्योंकि मेरे यहां जगह नहीं, जहां अपनी उपज इत्यादि रखूँ। और उस ने कहा; मैं यह करूँगा: मैं अपनी बखारियां तोड़ कर उन से बड़ी बनाऊंगा और वहां अपना सब अन्न और संपत्ति रखूँगा: और अपने प्राण से कहूँगा, कि प्राण, तेरे पास बहुत वर्षों के लिये बहुत संपत्ति रखी है; चैन कर, खा, पी, सुख से रह। परन्तु परमेश्वर ने उस से कहा; हे मूर्ख, इसी रात तेरा प्राण तुझ से ले लिया जाएगा: तब जो कुछ तू ने इकट्ठा किया है, वह किस का होगा?” ऐसा ही वह मनुष्य

भी है जो अपने लिये धन बटोरता है, परन्तु परमेश्वर की दृष्टि में धनी नहीं।

अब कुछ नोटिस करें। परमेश्वर इस आदमी को मूर्ख कहता है। अब मैं एक मनुष्य को मूर्ख कह सकता हूँ और पूरी तरह से गलत हो सकता हूँ, लेकिन जब परमेश्वर मनुष्य को मूर्ख कहता है, तो वह मनुष्य मूर्ख होता है। तो, यह मनुष्य मूर्ख था। क्यों? क्योंकि वह केवल अपने बारे में चिंतित था- “मैं, मैं, मैं” -और वह इस गंभीर तथ्य के बारे में सब भूल गया कि इन दिनों में से एक दिन हम सभी को न्याय में प्रभु के सामने खड़ा होना है। तो, परमेश्वर ने कहा, “हे मूर्ख, इसी रात तेरा प्राण तुझ से ले लिया जाएगा, तब जो कुछ तू ने इकट्ठा किया है, वह किस का होगा?”

यह एक बहुत ही गंभीर कहानी है। हर एक मसीह को इस पर बहुत गंभीरता से ध्यान देना चाहिए और इसके संदेश पर ध्यान देना चाहिए। प्रभु यहाँ कह रहा है: “तुम आगे बढ़ो। यदि आप ऐसा चाहते हैं, तो आप जो चाहें प्राप्त करें। जो चीजें आपकी नहीं हैं उन्हें अपने पास रखें। अधिक से अधिक पापों के लिए व्यवस्था करें। आपको चुनने का अधिकार है, लेकिन जब लेखा देने का दिन आएगा और तेरा प्राण तुझ से ले लिया जाएगा, तब जो कुछ तू ने इकट्ठा किया है, वह किस का होगा?”

आप जानते हैं, बहुत से लोग सोचते हैं कि वे अपने गुप्त पापों के पकड़े गए बिना आगे बढ़ रहे हैं-ऐसी चीजें जो भीतर हैं-जो चीजें दिखाई नहीं देतीं-जैसे लालच। जहां तक अन्य लोगों का संबंध है, एक व्यक्ति साथ साथ चल सकता है और काफी सम्मानित मसीही हो सकता है, और फिर भी लालच का दोषी हो सकता है। यह कई बाहरी

घोर पापों की तरह नहीं दिखता है। लेकिन इसे चिह्नित करें: महान न्याय के दिन जब परमेश्वर के न्याय सिंहासन से प्रकाश हर जीवन में चमकता है, तो वे सभी बातें प्रकट होने वाली हैं और लोग उन सारी बातों को सड़ी-गली, घिनौनी परिपूर्णता में देखेंगे। और न्याय के दिन दिखाए जाने वाले सबसे बुरे पापों में से एक लालच का पाप होगा।

### अध्याय तीन:

## दूसरे की स्तुति, सम्मान या पद की लालसा।

**सु**झे डर है कि हमें इस बात का एहसास ही नहीं है कि यह बात कितनी दूर तक पहुँचती है। उदाहरण के लिए, व्यवसाय-संबंधी ईर्ष्या को लें। क्या आपने कभी वह अभिव्यक्ति सुनी है? मैं आपको बताना चाहता हूँ, यह सिर्फ व्यवसाय तक ही सीमित नहीं है। यह एक ऐसा शब्द है जिसका हमें खुले रूप से उपयोग करना चाहिए क्योंकि यह हर किसी पर, हर जगह लागू हो सकता है। पत्नियों को दूसरी पत्नियों से जलन होती है; अन्य पतियों को अन्य पतियों से या कामगारों को अन्य कामगारों से; और यह लोभ है-यह व्यवसाय-संबंधी ईर्ष्या-किसी अन्य व्यक्ति की प्रशंसा, या उसके सम्मान, या उसके पद की लालसा करना। यह इतना व्यापक है कि शायद ही कहीं कोई जगह हो जिसका नाम न हो। यह प्रचारकों के बीच भी मौजूद है, और यहीं से बात घर आती है।

एक व्यक्ति एक बहुत ही सुंदर घर बना सकता है, और मैं एक दिन उसे देखने जा सकता था और कह सकता था, “तुम्हें पता है, यह एक प्यारा घर है। यह एक उत्कृष्ट कृति है। आपने बहुत सुंदर

काम किया है।” और ऐसा कहने में मेरा कुछ भी नहीं जाएगा-मेरे लिए यह कहना आसान होगा, क्योंकि मैं कोई निर्माता नहीं हूँ। एक व्यक्ति एक सुंदर कृति को चित्रित कर सकता है-रमणीय, उत्तम-और मैं कह सकता हूँ, “सुनो, वह सुंदर है; यह शानदार है; मैंने कभी ऐसा कुछ नहीं देखा।” मैं उस आदमी की प्रशंसा कर सकता था, और यह मेरे लिए कुछ भी नहीं हो सकता था क्योंकि मैं एक चित्रकार नहीं हूँ। लेकिन जब कोई खड़ा होता है और मुझसे बेहतर उपदेश देता है, तो मेरे लिए ईमानदारी और सही मायने में कहना, “यह एक उत्कृष्ट कृति है; यहोवा तुम्हारे साथ था”-तो वह और बात है।

क्या तुमने देखा कि मेरा क्या मतलब है? अब हम आज जिस बारे में बात कर रहे हैं वह यह है। किसी और की प्रशंसा, किसी और की सफलता, किसी और की प्रतिष्ठा की लालसा का यह मामला, परमेश्वर की पुस्तक में वर्णित सबसे बड़े पापों में से एक है। यह मेरी प्रार्थना है कि जैसे-जैसे हम इस अध्ययन में आगे बढ़ते हैं, प्रत्येक व्यक्ति अपने हृदय में यह निश्चय कर लेगा कि विजय के लिए परमेश्वर को अभी से ही पकड़ना शुरू कर देगा। एक मसीही के लिए लालच का दोषी होना एक बहुत ही भयानक बात है। यह एक सांसारिक व्यक्ति के लिए काफी बुरा है, लेकिन यह उस व्यक्ति के लिए, जो मसीह का नाम लेता है, किसी चीज का लालच करने में दोषी ठहराया जाना एक भयानक बात है। हमें हर चीज के लिए परमेश्वर की प्रशंसा करना सीखना चाहिए; तब हम इस बात की चिंता करना बंद कर देंगे कि इसके लिए श्रेय का हकदार कौन है।

हम यह सब परमेश्वर को देंगे, जहां यह पहले स्थान पर है। एक अन्य स्थान जहाँ परमेश्वर के बहुत से लोग लोभ के पाप से अपंग

प्रतीत होते हैं, देने का क्षेत्र है। परमेश्वर के कहे जाने वाले लोगों में से बहुत से लोग परमेश्वर के धन के गबन के दोषी हैं।

## अध्याय चार: हर दिन हम किसी और के पैसे को संभालते हैं

**ह**म अक्सर अखबारों में ऐसे व्यक्तियों के बारे में पढ़ते हैं जिन्होंने कई मिलियन डॉलर का गबन किया। ये गबन करने वाले अक्सर देश छोड़ देते हैं, पैसे लेते हैं और उन लोगों के लिए वित्तीय बर्बादी छोड़ देते हैं जिन्होंने अपना सब कुछ खो दिया। हम गुप्त रूप से आशा करते हैं कि कानून उन्हें पकड़ लेगा और उन्हें यथासंभव कठोर दंड देगा। लेकिन अब, एक मिनट रुकिए। चलिए, यहाँ बहुत तेजी से नहीं चलते हैं। हम सभी धन का लेन-देन करते हैं।

इसके अलावा, चाहे आप कोई भी हों, आप उस पैसे को संभालते हैं जो आपका नहीं है। आप उस धन को संभालते हैं जो परमेश्वर का है। क्या ऐसा हो सकता है कि इसे पढ़ने वाला कोई स्वर्गीय धन के गबन का दोषी हो? क्या आप जानते हैं कि दुनिया में जमीन और माल के सबसे बड़े धारक को बार-बार छला और लूटा गया है, पर उसने स्थायी रूप से अपना कार्य बन्द नहीं किया? परमेश्वर वह महान स्वामी है जिसकी मैं बात कर रहा हूँ। मैं विशेष रूप से दशमांश और भेंट की बात कर रहा हूँ। लैव्यव्यवस्था 27:30 में पवित्रशास्त्र कहता

है कि दशमांश यहोवा का है। इसे ध्यान से निकाल देने का कोई संभावित तरीका नहीं है।

शायद मुझे वह कविता पढ़नी चाहिए। यह यों कहता है: “फिर भूमि की उपज का, सारा दशमांश यहोवा ही का है : वह यहोवा के लिए पवित्र ठहरे।” सब दशमांश यहोवा का है; यह खास है।

फिर मलाकी 3 में हमें कुछ अतिरिक्त मिलता है। पद 8 कहता है, “क्या मनुष्य परमेश्वर को लूटेगा? तौभी तुम ने मुझे लूटा है। परन्तु तुम कहते हो, कि हम ने तुझे कहां लूटा है? दशमांश और भेंट में।” अब ध्यान दें: जो दशमांश नहीं देता वह डाकू है, परन्तु इसके अतिरिक्त, जो व्यक्ति भेंट नहीं देता, वह परमेश्वर के सामने उसे लूटने का दोषी है; इसलिए तेरा दशमांश और भेंट परमेश्वर के लिए हैं। ओह, यह हर दिल पर आग की कलम से खुदा हो: ये चीजें हमारे पास नहीं हैं; वे परमेश्वर की हैं। हम पवित्र निधियों को संभाल रहे हैं, और सवाल यह है कि हम उन्हें कैसे संभाल रहे हैं? क्या ऐसा हो सकता है कि हममें से कुछ लोग परमेश्वर के धन का दुरुपयोग करने के दोषी हैं?

वैसे भी दशमांश क्या है? लैव्यव्यवस्था 27:32 पढ़ने के लिए कुछ समय निकालें: “और गाय-बैल और भेड़-बकरियां, निदान जो जो पशु गिनने के लिये लाठी के तले निकल जाने वाले हैं उनका दशमांश, अर्थात् दस दस पीछे एक एक पशु यहोवा के लिये पवित्र ठहरे।” इसका मतलब है कि हमारी कुल वृद्धि का दसवां हिस्सा परमेश्वर का है। हमने इसके बारे में पहले कभी नहीं सोचा होगा, लेकिन हमारी आय का दस प्रतिशत यहोवा के लिए पवित्र है। हम वास्तव में आठवीं आज्ञा का उल्लंघन किए बिना और जो हमारी नहीं है उसे चुराए बिना हम इसे अपने लिए नहीं रख सकते। यदि कोई व्यक्ति 1,000 डॉलर

प्रति माह कमाता है, तो 100 डॉलर वास्तव में उसका अपना नहीं है। बेशक केवल लाभ, या वृद्धि, दशमांश के अधीन है। दूसरे शब्दों में, एक व्यवसायी को प्रति माह 5,000 डॉलर की वृद्धि मिल सकती है, लेकिन उसके सहायकों के वेतन और अन्य ऊपरी खर्चों का भुगतान करने के लिए 4,000 डॉलर की आवश्यकता होगी। ऐसे मामले में वह उस महीने के 1,000 डॉलर के लाभ पर केवल 100 डॉलर दशमांश का भुगतान करेगा।

किसी को आपत्ति होगी कि दशमांश पुराने नियम की मूसा की व्यवस्था से संबंधित है और नए नियम में हम पर लागू नहीं होता है। परन्तु तथ्य यह है कि दशमांश देने की यह योजना मूसा के समय से सैकड़ों वर्ष पूर्व की है। अब्राहम ने मूसा के समय से बहुत पहले यहोवा के निर्देश पर दशमांश दिया। याकूब ने भी जो कुछ उसके पास था उस पर दशमांश दिया। यहूदी जाति या रीति संबंधी व्यवस्था के अस्तित्व में आने से पहले यह एक दायित्व था। लेकिन अब आइए पढ़ें कि दशमांश देने के बारे में यीशु का क्या कहना था। आखिरकार, वह आध्यात्मिक चीजों में हम सभी के लिए महान मार्गदर्शक और उदाहरण है। मत्ती 23:23 में यीशु ने कहा, 'हे कपटी शास्त्रियों, और फरीसियों, तुम पर हाय; तुम पोदीने और सौंफ और जीरे का दसवां अंश देते हो, परन्तु तुम ने व्यवस्था की गम्भीर बातों को अर्थात् न्याय, और दया, और विश्वास को छोड़ दिया है; तुम्हें चाहिये था कि इन्हें भी करते रहते, और उन्हें भी न छोड़ते।' यह शब्द "चाहिए" दायित्व को दर्शाता है और तुरंत सिद्धांत के लिए एक नैतिक आधार बनाता है। यह नैतिक है क्योंकि इसमें परमेश्वर से चोरी करना शामिल है, जैसा कि हम पहले ही पढ़ चुके हैं।

## अध्याय पांच

# दशमांश का उपयोग केवल एक ही उद्देश्य के लिए किया जाना है।

**आ**इए आगे बढ़ने से पहले यह प्रश्न पूछें। प्रभु के कार्य में उपयोग किया जाने वाला दशमांश धन क्या है? कृपया 1 कुरिन्थियों 9:13 पर जाएँ: “क्या तुम नहीं जानते कि जो पवित्र वस्तुओं की सेवा करते हैं, वे मन्दिर में से खाते हैं; और जो वेदी की सेवा करते हैं वे वेदी के साथ भागी होते हैं?” यहाँ पौलुस पुराने नियम के पुरोहिताई का उल्लेख कर रहा है और कैसे उन्होंने प्राचीन वेदी पर सेवकाई के अपने कार्य के लिए आजीविका प्राप्त की। लेकिन अब अगला पद पढ़िए: “इसी रीति से प्रभु ने भी ठहराया, कि जो लोग सुसमाचार सुनाते हैं, उन की जीविका सुसमाचार से हो” (पद 14)। यह पाठ स्पष्ट रूप से सिखाता है कि सुसमाचार प्रचारक को ठीक उसी तरह से समर्थन दिया जाना चाहिए जैसे पुराने नियम के याजकों को दिया जाता था।

अब हम पवित्रशास्त्र में जाते हैं यह पता लगाने के लिए कि पुराने नियम और नए दोनों में सेवकाई के समर्थन के लिए परमेश्वर की योजना क्या थी। गिनती 18:21 में हम पढ़ते हैं, “फिर मिलापवाले तम्बू की जो सेवा लेवी करते हैं उसके बदले मैं उन को इस्राएलियों का सब दशमांश उनका निज भाग कर देता हूँ।” लेवी के गोत्र को अन्य इस्राएलियों के समान कोई भाग नहीं दिया गया था। उनके पास कोई पशु समूह या व्यावसायिक उद्यम नहीं थे। और सब गोत्रों ने दशमांश दिया, और उसका दसवां अंश याजकों और लेवियों को देने में लगाया गया।

पौलुस ने कहा, “यहोवा ने भी ऐसा ठहराया है, कि जो सुसमाचार का प्रचार करते हैं, वे सुसमाचार से जीवित रहें।” दूसरे शब्दों में, दशमांश का उपयोग शिक्षा निधि, गिरजाघर व्यय निधि, या यहां तक कि एक निर्धन कोष के लिए नहीं किया जाना चाहिए। यह केवल अगुवों को मेहनताना देने के लिए परमेश्वर द्वारा नियुक्त किया गया है। प्रचारकों के समर्थन के लिए यह बाइबिल का तरीका है।

मैंने एक उपदेशक के बारे में सुना, जिसने गिरजाघर के सभी दरवाजे बंद कर दिए और एक निश्चित राशि का लक्ष्य पूरा होने तक प्रचार करने से इनकार कर दिया। अन्य कलीसियाओं ने अपने पुरोहिताई संबंधी वित्तीय दायित्वों को पूरा करने के लिए धार्मिक मेलों, लॉटरी, बिंगो आदि का सहारा लिया है। क्या यह परमेश्वर की योजना है? क्या इस तरह उसने गिरजाघरों को उनके बजट में कमी को पूरा करने के लिए ठहराया था? यह परमेश्वर की योजना के अनुसार नहीं है। उस कलीसिया में कुछ गड़बड़ है जिसे दुनिया को अपनी संचालन योजना में लाना है। यदि मसीह हमारे समय के इन मंदिरों और गिरजाघरों में से कुछ में आए, तो वह उतना ही क्रोधित होगा जितना कि वह पुराने दिनों में हुआ था। वह एक बार फिर कहेगा: “इन वस्तुओं को यहां से ले जाओ। तुम ने मेरे प्रार्थना के घर को डाकुओं की खोह बना दिया है।” यह कितनी बड़ी त्रासदी है कि बहुत से युवाओं ने अपने ही गिरजाघरों की दीवारों के अंदर जुए में महारत हासिल करना सीख लिया है। इस तरह के प्रदर्शनों को प्रोत्साहित करने वाले आधुनिक धार्मिक अगुवों की स्थिति पर कितनी दुःखद टिप्पणी है। क्या परमेश्वर अपने नाम से पुकारे जाने वाले लोगों से यही अपेक्षा करता है?

## अध्याय छहः कुछ प्रचारक धन के कारण सत्य का प्रचार करने से डरते हैं।

परमेश्वर का इरादा कभी नहीं था कि प्रचारक अचल संपत्ति, कार की बिक्री, या कुछ साइड बिजनेस (अतिरिक्त व्यवसाय) में दिलचस्पी ले। जिस मनुष्य को परमेश्वर ने बुलाया है, उसे अपना पूरा समय परमेश्वर के वचन का प्रचार करने में देना चाहिए। उसकी आजीविका, दूसरे शब्दों में, दशमांश प्रणाली की दिव्य योजना द्वारा आपूर्ति की जानी चाहिए। यह प्रणाली सुसमाचार के आधुनिक अगुवों के सामने आने वाले प्रलोभनों में से एक सबसे बड़े प्रलोभन को समाप्त करती है। कुछ प्रचारक वास्तव में अपने स्वयं के वेतन से वंचित किए जाने के डर से सादा सत्य का प्रचार करने से डरते हैं!

जब एक पादरी को स्थानीय मण्डली द्वारा सीधे भुगतान किया जाता है और उसे केवल एक कलीसिया समूह की उदारता पर निर्भर रहना पड़ता है, तो वह एक चिंताजनक दुविधा में होता है। यदि वह पाप को ताड़ना देता है जैसे कि ताड़ना दी जानी चाहिए, तो वह उन लोगों को नाराज कर सकता है जो भेंट देना बंद कर सकते हैं, और इस प्रकार उसका स्वयं का वेतन खतरे में पड़ जाएगा।

अब मैं जानता हूँ कि कोई भी सच्चा पादरी केवल सांसारिक लाभ के लिए चिकनी-चुपड़ी बातों का प्रचार नहीं करेगा; फिर भी, कई लोग वास्तव में उन परिस्थितियों में स्पष्ट रूप से प्रचार करने से डरते हैं जिनका मैंने अभी-अभी वर्णन किया है। एक स्थानीय कलीसिया को उस व्यक्ति को सीधे भुगतान नहीं करना चाहिए जो उन्हें प्रचार

करता है, और परमेश्वर की योजना का पालन करने से वह बड़ा खतरा समाप्त हो जाएगा। दशमांश देने का उसका तरीका एक पादरी के लिए सच्चाई को नरम करने के प्रलोभन को समाप्त कर देता है।

कुछ लोग शिकायत करते हैं कि वे दशमांश का भुगतान नहीं कर सकते क्योंकि सभी बिलों का भुगतान करने के बाद कुछ भी नहीं बचता है। लेकिन क्या हम परमेश्वर को दशमांश देने से पहले बाकी सब का भुगतान होने तक प्रतीक्षा करके सही काम कर रहे हैं? नीतिवचन 3:9 में हम पढ़ते हैं, “अपनी सम्पत्ति से, और अपनी सारी उपज के पहिले फल से यहोवा का आदर करना।” दूसरे शब्दों में, पहले दशमांश का भुगतान करें। यहां तक कि अगुवे-जिन्हें दशमांश निधि से भुगतान किया जाता है-अपने वेतन का दसवां हिस्सा दशमांश में देते हैं। आखिर सब कुछ परमेश्वर का है ना? सब चाँदी और सोना और एक हजार पहाड़ियों पर मवेशी-हम तो बस इन चीजों के भण्डारी हैं। उसने हमें उनका इस्तेमाल करने दिया है। हम यह स्वीकार करने के लिए एक घर पर किराए का भुगतान करते हैं कि वह घर वास्तव में हमारा नहीं है। हम बस इसका इस्तेमाल करते हैं। उसी तरह, हम परमेश्वर को यह स्वीकार करने के लिए दसवां हिस्सा वापस देते हैं कि हमारी सारी संपत्ति हमें उपयोग करने के लिए दी गई है। वह वास्तव में परमेश्वर महान सृष्टिकर्ता और सभी चीजों के स्वामी की है।

अब, बहुत से लोग कहते हैं, “मैं चर्च जाता हूँ और मैं अपना दशमांश देता हूँ,” जब उनका वास्तव में मतलब यह होता है कि वे चर्च जाते हैं और भेंट देते हैं; क्योंकि कोई भी जो अपनी आय का दसवां हिस्सा नहीं देता है, दशमांश देने वाला नहीं है। दशमांश का अर्थ है दसवां भाग। और यही वह है जिसके बारे में बाइबल बोल रही

है-एक व्यक्ति की वृद्धि का दसवां हिस्सा। कुछ लोग कहते हैं, “क्या दसवां हिस्सा देना बहुत बड़ी बात नहीं है?” मान लीजिए कोई आपके पास आता है और कहता है, “मैं आपको व्यवसाय में स्थापित करना चाहता हूँ। मैं मूलधन, भवन, उपकरण-सब कुछ जुटाना चाहता हूँ। मैं चाहता हूँ कि आप इसे चलाएं। फिर महीने के अंत में मैं चाहता हूँ कि आप लाभ का अनुमान लगाएं। जब आपको लाभ मिल जाए, तो मैं चाहता हूँ कि आप दस में से नौवां (लगभग सारा) हिस्सा रखें और मुझे दसवां हिस्सा दें। क्या आप कहेंगे, “वाह, आपका मतलब है कि आप पूरा दसवां हिस्सा चाहते हैं?” नहीं, आप उस आदमी की ओर देखेंगे और कहेंगे, “आपने गलती की है, है ना? आपका मतलब है कि आप दस में से नौवां हिस्सा चाहते हैं और मुझे दसवां हिस्सा देना चाहते हैं।”

क्यों, आपने ऐसा प्रस्ताव कभी नहीं सुना होगा। लोग आज इस तरह के प्रस्ताव नहीं देते-बिल्कुल नहीं-लेकिन यह वह प्रस्ताव है जो परमेश्वर ने दिया है। इसमें तो कोई संदेह ही नहीं है। यह संसार और इसमें सब कुछ ईश्वर का है। उसने सब कुछ बनाया, और यहाँ सब कुछ उसी का है। बाइबल इस पर बहुत स्पष्ट है। मैं भजन संहिता 24:1 से पढ़ता हूँ: “पृथ्वी और जो कुछ उस में है यहोवा ही का है; जगत और उस में निवास करने वाले भी।” भजन संहिता 50:10-12 घोषित करता है: “क्योंकि वन के सारे जीवजन्तु और हजारों पहाड़ों के जानवर मेरे ही हैं। पहाड़ों के सब पक्षियों को मैं जानता हूँ, और मैदान पर चलने फिरने वाले जानवर मेरे ही हैं। यदि मैं भूखा होता तो तुझ से न कहता; क्योंकि जगत और जो कुछ उस में है वह मेरा है।” हागै 2:8 कहता है, “चान्दी तो मेरी है, और

सोना भी मेरा ही है, सेनाओं के यहोवा की यही वाणी है।” हम इसे कभी-कभी भूल जाते हैं, लेकिन वह कहता है, “वह मेरा है।” अब व्यवस्थाविवरण 8:18 पर ध्यान दें, “परन्तु तू अपने परमेश्वर यहोवा को स्मरण रखना, क्योंकि वही है जो तुझे सम्पत्ति प्राप्त करने का सामर्थ्य देता है।”

जब हम सब कुछ जोड़ते हैं और एक साथ रखते हैं, तो बाइबल बस यही कह रही है: सब कुछ परमेश्वर का है। यदि आपके पास कुछ भी है, तो यह इसलिए है क्योंकि ईश्वर ने आपको इसे प्राप्त करने का अधिकार, शक्ति और बुद्धि दी है। और फिर वह तुमसे कहता है, “अब, जो तुम प्राप्त करते हो उसका दस प्रतिशत मेरा है। मैं चाहता हूँ कि आप इसे मुझे दें।” क्या यह उचित प्रस्ताव है? मैं आज आपसे निवेदन करता हूँ कि आपने इससे अधिक निष्पक्ष, उदार प्रस्ताव कहीं नहीं सुना। लैव्यव्यवस्था 27:30 का पद याद रखें, जो कहता है कि दशमांश यहोवा का है। ओह, परमेश्वर हमें उस बिंदु से प्रभावित करे। यह हमारे निर्णय का प्रश्न नहीं है कि हम उसे दें या नहीं, क्या वह उसका हो जाए या नहीं, या उसका हो जाएगा; यह पहले से ही प्रभु का है। यह तय हो गया है। दशमांश प्रभु है, और इसलिए प्रत्येक व्यक्ति की आय का दसवां हिस्सा परमेश्वर का है। वह व्यक्ति पूरी तरह से नास्तिक हो सकता है और हमारे परमेश्वर के बारे में कुछ भी नहीं जानता, लेकिन फिर भी उसकी वृद्धि का दसवां हिस्सा स्वर्ग के यहोवा परमेश्वर का है।

अंत में, हम मलाकी 3:8-11 में उस अत्यंत महत्वपूर्ण पद पर आते हैं: “क्या मनुष्य परमेश्वर को धोखा दे सकता है? देखो, तुम मुझ को धोखा देते हो, और तौभी पूछते हो कि हम ने किस बात में तुझे

लूटा है? दशमांश और उठाने की भेंटों में। तुम पर भारी शाप पड़ा है, क्योंकि तुम मुझे लूटते हो; वरन सारी जाति ऐसा करती है। सारे दशमांश भण्डार में ले आओ कि मेरे भवन में भोजनवस्तु रहे; और सेनाओं का यहोवा यह कहता है, कि ऐसा कर के मुझे परखो कि मैं आकाश के झरोखे तुम्हारे लिये खोल कर तुम्हारे ऊपर अपरम्पार आशीष की वर्षा करता हूँ कि नहीं। मैं तुम्हारे लिये नाश करने वाले को ऐसा घुड़कूंगा कि वह तुम्हारी भूमि की उपज नाश न करेगा, और तुम्हारी दाखलताओं के फल कच्चे न गिरेंगे, सेनाओं के यहोवा का यही वचन है।”

ऐसा ही होता है, लोग परमेश्वर को लूट रहे हैं! एक साल में एफबीआई (फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन) के रिकॉर्ड से पता चला कि संयुक्त राज्य में डकैती के 111,750 मामले और चोरी के दस लाख से अधिक मामले थे। लेकिन यह सच्ची तस्वीर का एक अंश मात्र है। कलीसिया के कितने मिलियन सदस्य सबसे खराब प्रकार की चोरी के दोषी हैं-और तो और परमेश्वर से? इस आधार पर कलीसिया के बाहर की अपेक्षा कलीसिया के अंदर अधिक चोर हैं। वास्तव में, इसके बारे में कोई सवाल ही नहीं है; परमेश्वर कहता है कि यदि हम दशमांश रख लेते हैं, तो हम उससे चोरी करते हैं।

संयोग से, क्या आपने दसवें भाग को दशमांश के रूप में देने और दसवीं आज़ा के बीच आश्चर्यजनक समानता देखी है? लोभ के विरुद्ध आज़ा दसवीं है, और दसवां भाग देने की आज़ा लोभ के लिए परमेश्वर का उपाय है। इन बुनियादी बाइबिल नियमों में से किसी एक को तोड़ने का मूल कारण स्वार्थ है। आत्महित का विपरीत प्रेम है, और

सभी आज्ञाकारिता स्वयं से अधिक ईश्वर से प्रेम करने पर आधारित होनी चाहिए।

प्रेम का अर्थ देना है, जैसा कि हम यूहन्ना 3:16 से सीखते हैं: “क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा, जो उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया।” हम परमेश्वर द्वारा उसके पुत्र के समर्पण में प्रेम-उपहार की बराबरी कभी नहीं कर सकते, लेकिन हमें उससे इतना प्रेम करना चाहिए कि हमारे पास जो कुछ भी है उसका 10 या 50 प्रतिशत का भी समर्पण बलिदान न समझा जाए। “मुझे परखो” की परमेश्वर की चुनौती ने हमेशा उन लोगों में समान परिणाम उत्पन्न किए हैं जिन्होंने उस पर पूरी तरह से विश्वास किया है। यह वादा ज्यों की त्यों है कि बदले में “पूरा नाप दबा दबाकर और हिला हिलाकर और उभरती हुई”, “तुम्हारे ऊपर अपरम्पार आशीष की वर्षा” होगी।

लूट के धंधे से मुंह मोड़ने के आशीष और फायदे को कभी कम मत समझो। जब हम परमेश्वर को लूटते हैं, तो वास्तव में हम स्वयं को ही लूट रहे होते हैं। हम उन आशीषों को खो देते हैं जो आज्ञाकारिता नामक पैकेज का एक हिस्सा हैं। सुरक्षा और समृद्धि के अविश्वसनीय वादे उन लोगों से किए जाते हैं जो वफादारी से देने के माध्यम से परमेश्वर के साथ साझेदारी में जाते हैं। प्रेम पर आधारित निःस्वार्थ भण्डारीपन के फल, चिंतन करने योग्य हैं। सब कुछ का स्वामी कहता है “मुझे परखो”। क्या आप दशमांश और भेंट दोनों में एक ईमानदार भण्डारी होने के लिए परमेश्वर के साथ वाचा बांधकर इसे अभी करने की हिम्मत करेंगे?

## अध्याय सात: समय का क्या महत्व है?

कुछ दिनों पहले एक मोची के द्वारा उस काम को पूरा किया जाने के लिए की प्रतीक्षा करते हुए, जिसका वादा पहले किया गया था, मैंने 30 मिनट का कीमती समय बर्बाद किया। मानसिक रूप से मैंने कुछ प्राथमिक गिनती किया और निष्कर्ष निकाला कि मेरे 30 मिनट के समय की कीमत जूते की मरम्मत की लागत से कहीं अधिक थी। मैं आपको आश्चस्त कर सकता हूँ कि मेरे अंकगणित के परिणामों ने मेरी हताशा को बिल्कुल भी दूर नहीं किया, लेकिन इसने मुझे मिनटों और घंटों के मूल्य के बारे में अधिक सोचना शुरू करा दिया।

दुर्भाग्य से, हम डॉलर और सेंट या रुपये पैसे की एक निश्चित इकाई के साथ समय के मूल्य की बराबरी करते हैं। लोगों को एक घंटे में इतना भुगतान किया जाता है, या इतने डॉलर या रुपये प्रति माह। इस आधार पर कि किसी को उसके काम के लिए 10 डॉलर या उसके बराबर रुपये प्रति घंटे का भुगतान किया जाता है, आइए उन 60 मिनटों के वास्तविक मूल्य का मूल्यांकन करने का प्रयास करें। समीकरण कुछ इस तरह से होगा: एक घंटे का समय नकद धन में 10 डॉलर या उसके बराबर रुपये के बराबर होता है। घंटे को धनराशि में अनुवाद करने के बाद, और यह मानते हुए कि धनराशि 60 मिनट के समय के बराबर है, हम समय के सही मूल्य का निर्धारण कर सकते हैं क्योंकि हम 10 डॉलर या उसके बराबर रुपये के मूल्य का पता लगाते हैं। उस व्यक्ति के लिए वह 10 डॉलर कितना मूल्यवान है जिसने इसके लिए अपना समय बदला? यह उसके लिए कितना अच्छा

प्रदर्शन करेगा, और यह उसके जीवन स्तर में कितना योगदान देगा? यदि 10 डॉलर या उसके बराबर रुपये अधिक खुशी, लंबा जीवन और अधिक सुरक्षा देते हैं, तो हमें यह निष्कर्ष निकालना चाहिए कि आदमी का समय आसानी से धनराशि के लायक था और शायद इससे भी अधिक।

लेकिन मान लीजिए कि 10 डॉलर या उसके बराबर रुपये शराब के लिए खर्च किए जाते हैं, जो मदिरापान या बीमारी की ओर ले जाता है? किसी भी वास्तविक मोल के होने के बजाय, पैसे का नकारात्मक महत्व होगा, और घंटा का समय भी वास्तव में कुछ भी नहीं से कम होगा। दूसरे शब्दों में, हमारे समय का मूल्य उतना ही है जितना हम अपने समय के लिए भुगतान किए गए धन से निचोड़ने में सक्षम हैं। हम जिन चीजों के लिए रुपये पैसे खर्च करते हैं, यदि उनका परिणाम बेहतर जीवन और लंबे, खुशहाल जीवन में होता है, तो हमारा समय किसी भी राशि से बहुत अधिक हो सकता है। दूसरी ओर, यदि हम बीमारी पैदा करने वाली, नैतिक महत्व का स्तर गिराने वाली, और हमें अनन्त जीवन प्राप्त करने से रोकने वाली चीजों के लिए पैसा खर्च करते हैं, तो हमारे समय का एक नकारात्मक महत्व है।

यदि यह सिद्धांत सत्य है, तो विश्व का समय के मूल्यांकन का मानक पूरी तरह गलत है। कुछ लोग जिन्हें प्रति वर्ष दस लाख डॉलर या उसके बराबर रुपयों से अधिक का भुगतान किया जाता है, वे अपने धन का उपयोग शरीर और मन को अपवित्र करने और आध्यात्मिक धारणाओं को नष्ट करने के लिए कर रहे हैं। समाज वह कह सकता है जो वह कहेगा, लेकिन वे लोग अपना समय बर्बाद कर रहे हैं, क्योंकि वे उस धन को बर्बाद कर देते हैं जो उनके समय ने खरीदा था।

अन्य लोगों को डॉलर या रुपये में बहुत कम भुगतान किया जाता है, लेकिन वे उस थोड़े को उन चीजों में निवेश करते हैं जो मन की शांति, एक मजबूत नैतिक चरित्र का निर्माण करने, और अनन्त जीवन की तैयारी में योगदान करते हैं। वे वे लोग हैं जिनका समय वास्तव में मूल्यवान है; वास्तव में, कम्पनी संरचना में सबसे अधिक वेतन पाने वाले कार्यकारी से अधिक मूल्यवान जो अपने धन का दुरुपयोग कर रहा है।

क्या आपके दिमाग में यह तस्वीर स्पष्ट रूप से आती है कि आपका धन आपके समय का प्रतिनिधित्व करता है? आप अपने धन के साथ जो करते हैं, वह वही है जो आप अपने समय के साथ करते हैं। आपके धन से प्राप्त लाभ आपके समय के सही मूल्य का प्रतिनिधित्व करते हैं। एक पल के लिए इसके बारे में सोचो। आप उन डॉलर या रुपयों का उपयोग कैसे कर रहे हैं? क्या वे उन तरीकों में निवेशित हैं जो आपको आपके अनंत सुख और सुरक्षा की ओर ले जाएंगे? क्या आप दूसरों के लिए परमेश्वर के बचाने वाले अनुग्रह की आशीष प्राप्त करना संभव बना रहे हैं? क्या आपके धन के उपयोग के परिणामस्वरूप आत्माएं आपके साथ स्वर्ग में आनंदित हो सकेंगी?

धन का उपयोग करने का अविवेकपूर्ण, उड़ाऊ तरीका लाखों लोगों को अनन्त जीवन खोने की ओर ले जाएगा। न केवल उनके सांसारिक समय के वर्ष नष्ट हो जाते हैं, बल्कि भविष्य के अनंत काल का अंतहीन समय भी खो जाता है। जीवन भर के श्रम द्वारा खरीदा गया सारा धन तब तक बेकार है जब तक कि वह जीवन की वास्तविक गुणवत्ता के निर्माण में योगदान न दे। हम दुःख के साथ देखते हैं कि कैसे अरबों डॉलर या रुपये स्वार्थी भोग, मादक पदार्थों की लत और

विनाशकारी उद्देश्यों के लिए खर्च किए जाते हैं। उन बर्बाद डॉलर या रुपये में कितने बर्बाद जीवन दर्शाए जाते हैं।

विलक्षण करोड़पति हॉवर्ड ह्यूजेस, के बारे में बहुत कुछ लिखा गया है, जिसकी असीम संपत्ति उसकी भयानक और अमानवीय मृत्यु का अंतिम कारण बन गई। हर किसी पर शक करते हुए, उसने अपने धन के लिए शोषण किए जाने के डर से खुद को दोस्तों और समाज से अलग कर लिया। उसकी मृत्यु के बाद, उन लोगों में अतिरिक्त दुश्मनी और स्वार्थ पैदा हो गया, जो अपने लिए एक हिस्सा हासिल करने के लिए जानवरों की तरह लड़े।

क्या हावर्ड ह्यूज का समय वास्तव में इतना महत्वपूर्ण और मूल्यवान था? उसके समय ने ऐसी दौलत पैदा की जिसने दुख पैदा किया जो आखिरकार मौत लेकर आया। इसमें कोई संदेह नहीं है; अपने लिए जीने और अंत में अनन्त जीवन को खोने से बेहतर है कि मनुष्य का कभी जन्म न हो। एक आदमी के लिए लाखों कमाने से बेहतर है कि वह खुद को या दूसरों को खो दे। आदमी के लिए कंगाल होना बेहतर है, बजाय इसके कि वह लाखों कमाए और खुद के या दूसरों के खोने का कारण बने।

निरर्थक लगाने के जोखिम पर, मैं इस सवाल पर वापस आता हूं, आप अपना धन कैसे खर्च कर रहे हैं? आपके जीवन के वर्ष उस धन में बंधे हैं। इसका करना आपके वर्षों के समय का निपटारा करना है। जब आपका जीवन समाप्त हो जाएगा, तो आपके सभी वर्षों का पारिश्रमिक समय आपकी संपत्ति में दिखाई देगा। यह सामान्य हो सकता है, लेकिन यह महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह आपके द्वारा बदले गए सभी समय की अहमियत का प्रतिनिधित्व करता है।

आप उस समय को कैसे महत्व देते हैं? आप उन वर्षों का मूल्यांकन कैसे करते हैं जिन्होंने आपके जीवन को इतना सफल बनाया? उन सवालियों के जवाब आपकी संपत्ति से सम्बन्ध होने के आपके तरीके से सामने आएंगे। अगर वह धन अब आपकी सबसे गहरी प्राथमिकता की जरूरतों को पूरा करता है, तो धन हासिल करने में लगने वाला समय अच्छी तरह से बिताया गया था। और अगर धन परमेश्वर के राज्य के लिए आत्माओं तक पहुंचने के लिए एक माध्यम बन जाता है, तो इसे अर्जित करने में समय का मूल्य की गणना से कहीं अधिक है। ऐसा क्यों? मुझे समझाने दें।

यदि आपका धन सिर्फ एक आत्मा को मसीह की ओर मोड़ने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है, तो समय का निवेश कितना मूल्यवान होगा? इसे इन शब्दों में समझने की कोशिश करें: अनंत काल के लिए बचाई गई एक आत्मा उन सभी लोगों के सभी संयुक्त वर्षों की तुलना में अधिक समय तक जीवित रहेगी जो कभी इस पृथ्वी पर रहते और मरते थे। क्या आप इस तथ्य को समझ सकते हैं? आखिरकार, अनंत काल में एक व्यक्ति का जीवन सभी करोड़पतियों, निगम अध्यक्षों, और विश्व विचारक नेताओं के द्वारा अपने जीवन काल में बिताए वर्षों से आगे निकल जाएगा। और अगर उन करोड़पतियों और प्रसिद्ध हस्तियों को नहीं बचाया जाता है, तो पाप से मुक्त करवाई गई उस एक आत्मा का समय उन सभी नेताओं के संयुक्त समय से अधिक मूल्यवान होगा।

जो मैं वास्तव में कह रहा हूं वह यह है: धन, सफलता, और जो कुछ भी इसके साथ जाता है वह सब बेकार से कम है जब तक कि उन चीजों का उपयोग अनंत काल की तैयारी के लिए और दूसरों को

तैयार करने में मदद करने के लिए नहीं किया जाता है। हमारा समय मूल्यवान है, लेकिन यह हमारे समय के बदले में प्राप्त होने वाले धन से प्राप्त होने वाले शाश्वत लाभों के अनुपात में ही मूल्यवान है। अगर हमारा धन बर्बाद होता है, तो धन कमाने में हमारा समय पूरी तरह से बर्बाद हो गया है। यीशु की यह बात कितनी सच है: “यदि मनुष्य सारे जगत को प्राप्त करे, और अपने प्राण की हानि उठाए, तो उसे क्या लाभ होगा? या मनुष्य अपने प्राण के बदले में क्या देगा?” (मत्ती 16:26)

यहां तक कि मसीह ने भी सौदेबाजी की बात कही थी। एक चीज का निवेश दूसरी चीज को पाने के लिए होता है। हम धन के लिए अपने समय का आदान-प्रदान करते हैं। फिर हम धन का व्यापार करते हैं-किस लिए? उन चीजों के लिए जो हमें स्वर्ग के लिए अयोग्य बनाती हैं? यदि ऐसा है तो हमारा समय और धन दोनों ही व्यर्थ और अनुचित रूप से उपयोग किया गया है। मैं दोहराता हूं, मसीह के बिना जीने और मरने से बेहतर होगा कि कभी भी जन्म न लें। स्वर्ग की अपेक्षा को पूरा करने में एक कदम विफल रहने वाले अरबपति तेली होने की तुलना में एक कंगाल के रूप में रहना एक हजार गुना बेहतर होगा।

उस कथन का ध्यानपूर्वक विश्लेषण करें। मसीही कंगाल को शारीरिक अभाव और कष्ट के साथ जीना पड़ता था, लेकिन उसके मन में शांति और आनंद था। धनी व्यक्ति प्राणियों के सभी सुख-सुविधाओं के साथ रहता था, लेकिन उसका मन व्यथित और दुःखी था। भले ही कब्र से परे कोई अनन्त जीवन नहीं था, इस दुनिया में मसीही कंगाल के पास अभिशप्त अरबपति से बेहतर जीवन था।

लेकिन अनंत काल के संदर्भ में उन दो व्यक्तियों के बारे में सोचें। अमीर आदमी के जीवन की तुलना में एक लाख गुना अधिक समय के लिए, छुटकारा प्राप्त कंगाल एक ऐसे हवेली में रहेगा, जो उस तेली द्वारा की गई कल्पना से भी अधिक शानदार होगा। जब उसके वर्ष अंततः पृथ्वी की कुल आबादी के जीवन काल से अधिक हो जाएंगे, तब भी छुटकारा प्राप्त गरीब व्यक्ति अमर युवावस्था और उज्वल स्वास्थ्य में फल-फूल रहा होगा।

और उस आदमी का क्या जिसके पास सब कुछ था? (खैर, लगभग सब कुछ! उसके पास एक चीज की कमी थी-यीशु में एक साधारण, छुटकारा देने वाला विश्वास।) उसका क्या होगा? आग की झील में डाले जाने से ठीक पहले, उसे नए यरूशलेम की पारदर्शी दीवारों को देखने का अवसर मिलेगा। उस पल की पूरी याद में, वह दुःखी मिडास ईश्वर के बिना जीने वाले जीवन की पूर्ण शून्यता को पहचान लेगा। जो समय प्रति वर्ष एक मिलियन डॉलर के बराबर मोल का था, उसे पुनरावलोकन में व्यर्थ गंवाया जैसे देखा जाएगा। अनंत काल में उस क्षण का कष्टदायी पश्चाताप मन पर हावी हो जाएगा और सबसे संवेदनशील और सर्वोच्च दंड का गठन करेगा जिसे किसी को भी सदैव भुगतना होगा।

अब, क्या आप आभारी नहीं हैं कि हम अभी भी उस समय के दायरे में रह रहे हैं जहां बातों को बदला जा सकता है? अनंत काल दरवाजे पर है, लेकिन हमारे पास समय का एक अंश बचा है जिसमें हम में से प्रत्येक पैसे के लिए क्षण का आदान-प्रदान कर रहा होगा। लेकिन फिर क्या? धन का आदान-प्रदान किसी और चीज के लिए किया जाएगा। वह कुछ और या तो हमें स्वर्ग के लायक बनाने में मदद

करेगी या हमें खो जाने की स्थिति में लाएगी। यह आपके लिए कौन सा होगा?

धन के बारे में एक और महत्वपूर्ण सच्चाई: चूंकि यह वास्तव में उस समय के बराबर है जिसे आपने इसे अर्जित करने में निवेश किया था, जब तक आपका अर्जित धन बना रहता है, आपका प्रभाव तब भी समय पर महसूस किया जा सकता है। आपकी मृत्यु के बाद भी आपका धन उन घंटों, महीनों और वर्षों का प्रतिनिधित्व करेगा जो आपने इसे इकट्ठा करने में खर्च किए। बहुत से लोग उनके मरणोपरान्त उस समय के प्रभाव के लिए सभी जिम्मेदारी का त्याग कर रहे हैं। जीवन भर का संचित परिणाम लापरवाही से उदासीन रिश्तेदारों या बेईमान वकीलों के हाथों में छोड़ दिया जाता है। इसका उपयोग अक्सर उस कारण को गलत ठहराने और निरस्त करने के लिए किया जाता है जिसके लिए मृतक ने अपनी जान दी थी। धन के रूप में उसका निवेश किया गया समय, अब निवेशक के खिलाफ हो जाता है और सावधानीपूर्वक नियोजित वर्षों के परिणामों को मिटाने के लिए प्रयोग में लाया जाता है।

सभी पुरुषों और महिलाओं के पास एक वसीयत होनी चाहिए जो उनके समय के निवेश के हितों की रक्षा कर सके। जिस तरह वे नहीं चाहते थे कि जीवन में उनका समय बर्बाद हो, वे नहीं चाहते कि उनका धन, जो उनके समय का प्रतिनिधित्व करता है, जीवन समाप्त होने के बाद बर्बाद हो जाए। एक वसीयत में निर्दिष्ट करके कि संपत्ति को कैसे विभाजित किया जाना चाहिए, एक व्यक्ति यह गारंटी दे सकता है कि उसका प्रभाव अभी भी समय पर बढ़ाया जाएगा। उन निवेशित वर्षों का मूल्य अभी भी उसकी वसीयत की गई संपत्ति के

आध्यात्मिक लाभों के माध्यम से प्रकट किया जा सकता है, चाहे वह कम हो या अधिक।

यहां तक कि जो लोग जीवित रहते हुए खर्च करने से डरते हैं, उन्हें मृत्यु के बाद निष्पादित होने वाली वसीयत में, अपने जीवन भर के निवेश के फल को साहसपूर्वक सौंपने का कोई डर नहीं है।

कई लोगों को अपनी बचत कम होने और दूसरों पर निर्भर होने का एक कानूनी डर है। लेकिन मरने के बाद उन्हें किसी बात का डर नहीं। वे मसीह के लिए उन परिस्थितियों को पूरा कर सकते हैं जिन्हें वे जीवित रहते हुए कभी अनुमति नहीं देते थे। राज्य के लिए अभी भी आत्माएं जीती जा सकती हैं। उनके साधन लोगों को स्वर्ग के लिए तैयार कर सकते हैं। कई मसीही जिन्हें कभी भी मसीह के लिए एक आत्मा जीतने का व्यक्तिगत आनंद नहीं मिला, वे राज्य में आत्माओं से मिलेंगे जो उन्हें उनके मरणोपरांत प्रावधानों के लिए धन्यवाद देंगे, जिससे उनके लिए सच्चाई सुनना और बचाया जाना संभव हो गया।

शायद अब आप इस श्रेणी में हैं। भविष्य की बीमारी के डर से आप परमेश्वर के काम के लिए बड़े पैमाने पर देने की हिम्मत नहीं करते क्योंकि अस्पताल की लागत के लिए आपकी सारी बचत की आवश्यकता होगी। आप यीशु के आने और हर जगह सुसमाचार की घोषणा करने की लालसा रखते हैं, लेकिन आप भविष्य के लिए बचाई गई राशि का निवेश करने की हिम्मत नहीं करते हैं जो कि अत्यंत आवश्यकता के सम्मुख आपका एकमात्र प्रतिरोधक हो सकता है। आप भविष्य की घटनाओं के लिए भविष्य के लिए बचाई गई उस राशि का प्रावधान करने और उसे बनाए रखने के लिए अच्छे निर्णय का उपयोग करते हैं। मुझे लगता है कि ईश्वर चाहता है कि

हम आर्थिक स्वतंत्रता और सुरक्षा की योजना बनाने में बुद्धिमान बनें। लेकिन अगर, उसके आशीर्वाद और संरक्षण के द्वारा, उन निधियों की आवश्यकता नहीं है, तो उन्हें आत्माओं को जीतने के लिए निर्देशित किया जा सकता है। हालाँकि, यह केवल वही कर सकता है, जो पहले से सावधानीपूर्वक, सोच-समझकर निर्णय लेता है। कई आत्माएं केवल इसलिए मसीह के लिए जीती गई हैं क्योंकि लोगों ने उनकी मृत्यु के बाद भी काम करते रहने के लिए अपने धन को निर्दिष्ट किया है। धर्मी लोगों के पुनरुत्थान में, उन प्रतिबद्ध मसीहियों के लिए यह कितना रोमांचकारी होगा कि वे अपने समर्पित साधनों के विजयी परिणामों को जानें, जो उनके जाने के लंबे समय बाद तक उनके लिए बोलते रहे।

# अधिक मुफ्त डिजिटल पुस्तकें खोजें



[AFTV.in/Free-Book-Library](http://AFTV.in/Free-Book-Library)

हिन्दी, तमिल, तेलगु, कई  
भाषाओं में उपलब्ध है...



# India

परमेश्वर का संदेश हमारा मिशन है



**BOOKSTORE.AFTV.IN**

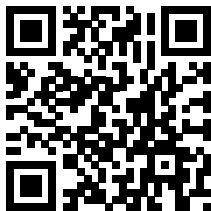
पर जाएं जहां आप कई भाषाओं में मसीही सामग्री की खरीद कर सकते हैं और उन्हें आपके द्वार तक पहुंचाया जा सकता है!



India

हमारी मुफ्त बाइबिल अध्ययन  
पाठ्यक्रम को ना चूकें।

**BibleStudy.AFTV.in**  
पर आज ही नामांकन करें!



कई अन्य मुद्दों पर सैद्धांतिक मतभेदों के बावजूद, अधिकांश ईसाई इस बात से सहमत हैं कि सब्त ईसाई जीवन का एक अभिन्न अंग है।

लेकिन हम किस दिन आराम करेंगे?

# SabbathTruth.in

सब्त के बारे में वह सब कुछ जो आप जानना चाहते थे।



# 8 रहस्य

लम्बी और स्वस्थ जीवन के लिए!

यात्रा **AmazingHealthFacts.in**

अधिक जानने के लिए

अथवा

पत्रिका देखें



निवेदन करें



Post Box No. 51 • Banjara Hills,  
Hyderabad, TS, 500034

[www.AmazingFactsIndia.org](http://www.AmazingFactsIndia.org)